अ.शा.परिपत्र संख्याः डीजी-15/2014

ए0एल0 बनर्जी
आई0पी0एस0

पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश
1-तिलक मार्ग, लखनऊ-226001
फोन नं0-0522-2206104, फैक्स नं0 2206120
सीयूजी नं0-9454400101
ई-मेल-dgpolice@sify.com, police@up.nic.in
वेबसाइट-uppolice.up.nic.in

दिनॉकः मार्च 08, 2014

सन्देश

प्रिय साथियों,

उत्तर प्रदेश पुलिस के प्रमुख का कार्यभार ग्रहण करते हुए मैं अत्यधिक गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। आने वाले लोकसभा चुनाव के परिपेक्ष्य में अपराध नियन्त्रण एवं शान्ति व्यवस्था बनाए रखने की उ0प्र0 शासन की प्राथमिकता हमारे लिए अत्यन्त ही महत्वपूर्ण हो जाती है, लेकिन मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम सब उत्तर प्रदेश पुलिस की गौरवशाली परम्परा को आगे बढ़ाते हुए इस चुनौती का अत्यन्त ही सूझ-बूझ एवं धैर्य के साथ सामना कर प्रदेश की जनता को उच्चकोटि की पुलिस व्यवस्था प्रदान करेंगे ।

लोक कल्याणकारी व्यवस्था में पुलिस का कार्य अत्यन्त ही महत्वपूर्ण होता है, जहां एक ओर उच्चकोटि की कानून एवं शान्ति व्यवस्था स्थापित कर हम आम जनों में सुरक्षा की भावना पैदा करते हैं, वहीं दूसरी ओर ऐसे अनुकूल परिस्थितियों में निवेश एवं विकास को भी गति मिलती है, जो प्रदेश की समृद्धि में सहायक सिद्ध होती है। हमारी यह प्राथमिकता होनी चाहिए कि हमारे पास आने वाले हर पीड़ित व्यक्ति को तत्काल विधि सम्मत कार्यवाही कर उसे **'अभयदान'** दें कि उसे न्याय अवश्य प्राप्त होगा, जिससे वह पीड़ित भी हमारी न्यायिक प्रक्रिया में निडरता से दोषियों के विरूद्ध अपने निहित दायित्वों का निर्वहन कर सके। यह तभी सम्भव है जब हम अपनी वर्दी पर गर्व करेंगे। वर्दी के प्रति हमारा सम्मान आमजनों के समक्ष प्रत्यक्ष रूप से प्रदर्शित होना चाहिए, जिसके लिए हमें विधि सम्मत निर्धारित वर्दी धारण करनी चाहिए, जो एक पुलिस अधिकारी को अनुशासित एवं दक्ष पुलिस कर्मी के रूप में स्थापित करने हेतु आवश्यक है। हमें यह एहसास रखना चाहिए कि इसी वर्दी से हमारी पहचान है एवं यही हमारे परिवार के जीवन-यापन का मूल साधन है। हमें यह आत्मसात करना चाहिए कि यह केवल एक नौकरी नहीं बल्कि एक मिशन है, जिसका मूलमंत्र जनता की सेवा है तथा इस भाव के साथ कर्तव्यों का निर्वहन ही हमारा परम ध्येय होना चाहिए ।

इस सेवाभाव के साथ-साथ ही हमें अपने निहित उत्तरदायित्वों के प्रति सजग रहते हुए पूर्णरूपेण समर्पित रहना भी परम आवश्यक है। हम सभी अपने निजी जीवन में अपने परिवार तथा अपने घर को व्यवस्थित रखने में प्रयासरत रहते हैं, ठीक उसी प्रकार हमें सम्पूर्ण समाज को अपने परिवार एवं घर की तरह ही संजोये रखना चाहिए। **'वसुधैव कुटुम्बकम्'** की भावना से ओत-प्रोत होकर हमें अपने परिवार के सदस्यों की भांति समाज के विभिन्न अंगों के साथ एक विशाल एवं सद्भावनाशील दृष्टिकोण रखना चाहिए तथा हमें अपने उत्तरदायित्वों के निर्वहन में पीड़ित एवं आम जनों के प्रति सहृदयता, संवेदनशीलता एवं शालीनता को अंगीकृत कर समाज की सेवा करनी चाहिए, वहीं असामाजिक तत्वों के प्रति कठोर विधिक कर्मठता भी प्रदर्शित करनी चाहिए। भारतीय संविधान के प्रति आदर तथा मानवीय मूल्यों एवं मानवाधिकारों के प्रति सजगता हमारी कार्यप्रणाली में प्रदर्शित होनी चाहिए। जनता की सेवा एवं मदद के लिए ही यह विभाग गठित किया गया है तथा हमें जो अधिकार प्राप्त हैं, वे केवल इन्ही उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हैं ।

वर्तमान में पुलिस बल के अधीनस्थ कर्मचारियों एवं अधिकारियों का मनोबल अत्यन्त ही ऊंचा है। सभी स्तरों पर व्यापक रूप से पदोन्नतियां प्रदान कर दी गई हैं तथा सभी पुलिस कर्मियों को उनके अनुमन्य सेवा सम्बन्धी लाभ समय से प्राप्त हो रहे हैं। इस ऊंचे मनोबल के साथ-साथ ही विभाग ने आधुनिकीकरण योजनाओं के अन्तर्गत पुलिस की कार्यकुशलता एवं दक्षता में वृद्धि हेतु अत्याधुनिक संसाधनों को जुटाते हुए अप्रतिम योजनायें भी प्रारम्भ कर दी हैं। इस परिवेश में मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम सब उ0प्र0 जनता की सेवा करने में अधिक सक्षम हैं तथा शासन ने जिस उदारता से हमें इस प्रकार सक्षम बनाया है उसके एवज में हम सब विधिक सीमाओं में रहते हुए उच्चकोटि की कर्तव्यनिष्ठा एवं कर्तव्यपरायणता से जनता की सेवा करेंगे। हमें इस बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि हम एवं हमारे साथी की किसी भी दशा में विधिक सीमाओं का उल्लंघन नहीं करेंगे तथा वर्दी की गरिमा एवं पुलिस सेवा की प्रतिष्ठा पर आंच नहीं आने देंगे, तभी हम प्रदेश की जनता का विश्वास प्राप्त कर सकेंगे तथा दमनकारी पुलिस की छवि को नकारते हुए एक मित्र पुलिस के रूप में अपने आप को स्थापित करेंगे ।

पुलिस की कुछ गौरवशाली परम्पराओं के प्रति समय के साथ कुछ उदासीनता परिलक्षित हो रही है, जिसके प्रति हमें तत्काल सजग होकर उन परम्पराओं को आगे बढ़ाना चाहिए। उच्चकोटि के टर्न आउट में नियमित परेड विभाग में अनुशासन को कायम रखने तथा जनता में पुलिस की अच्छी छवि बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अतः मैं चाहूंगा कि प्रत्येक शुक्रवार को जनपद प्रभारी पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक रेलवेज तथा सेनानायक प्रातः परेड में अवश्य उपस्थित रहें। प्रत्येक माह के प्रथम शुक्रवार की परेड एक रैतिक परेड के रूप में होनी चाहिए, जिसमें सभी कर्मचारी रैतिक वेशभूषा में उपस्थित होंगे तथा पुलिस अधीक्षक एवं अन्य राजपत्रित अधिकारी भी क्रास बेल्ट एवं पीक कैप धारण करेंगे। ठीक इसी प्रकार नई तैनातियों के बाद पुलिस उप महानिरीक्षक स्तर तक के आगन्तुक अधिकारियों द्वारा अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शिष्टाचार भेंट के समय भी क्रास बेल्ट एवं पीक कैप धारण की जाय। इन रैतिक परम्पराओं के उद्देश्यों से आप भलीभांति परिचित हैं तथा इन परम्पराओं का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है ।

आने वाले लोकसभा के चुनाव एक चुनौती के साथ-साथ ही एक ऐसा सुअवसर भी प्रदान करते हैं, जिनमें मेरे द्वारा उपरोक्तानुसार की गई अपेक्षाओं को आप मूर्तरूप दे सकते हैं तथा निष्पक्ष रूप से कर्तव्य निर्वहन करते हुए जनता में हमारे प्रति एक नई मित्र भावना भी जागृत कर सकते हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी आने वाले समय में इन कसौटियों पर खरा उतरेंगे तथा उ0प्र0 पुलिस की गौरवशाली परम्पराओं को आगे बढ़ाते हुए नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे ।

भवदीय,

8/3/14

(ए0एल0 बनर्जी)

समस्त आई.पी.एस. अधिकारी, उ0प्र0

समस्त पी.पी.एस. अधिकारी, उ0प्र0

नोट- समस्त जनपद प्रभारी पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक रेलवेज एवं समस्त सेनानायक इस सन्देश की प्रति अधीनस्थ समस्त थाना प्रभारी/प्रतिसार निरीक्षक/दलनायक/शाखा प्रभारियों को इस निर्देश के साथ उपलब्ध करायेंगें कि वे एक सम्मेलन आयोजित कर समस्त अधीनस्थ कर्मियों को पढ़कर सुनायेंगे एवं इसकी एक प्रति नोटिस बोर्ड पर चस्पा करेंगे। इसके अतिरिक्त उ0प्र0 पुलिस की अन्य इकाईयों में भी इसकी प्रति तैनात कर्मियों के सूचनार्थ नोटिस बोर्ड पर चस्पा की जाय ।